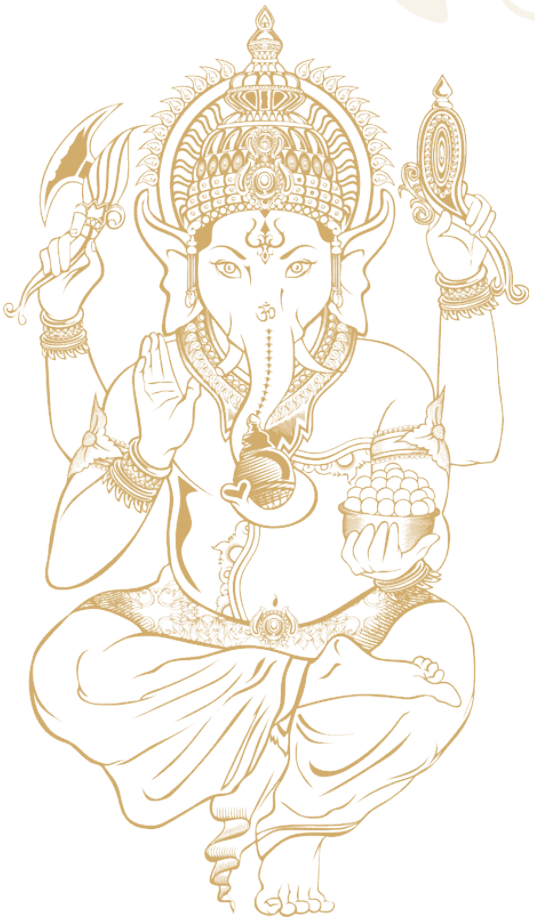

Mrs richa

02 Oct 1999

02:30 AM

Buxur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119171103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/10/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	51:49:53 घटी
स्थान	**Buxur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	84:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:36:00 घंटे
वेलान्तर	00:10:07 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:36 घंटे
सूर्योदय	05:46:02 घंटे
सूर्यास्त	17:41:19 घंटे
दिनमान	11:55:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:22:59 कन्या
लग्न के अंश	29:39:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:39:48	316:44:06	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कन्या	14:22:59	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			मिथु	10:33:03	14:05:32	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	25:23:27	00:41:39	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			तुला	01:10:25	01:30:48	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	08:52:28	00:06:43	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	02:09:56	00:37:39	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:24:26	00:03:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	17:26:38	00:00:34	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	17:26:38	00:00:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:12:02	00:01:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:46:45	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:24:35	00:01:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मेष	27:43:16	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:59

लग्न-चलित

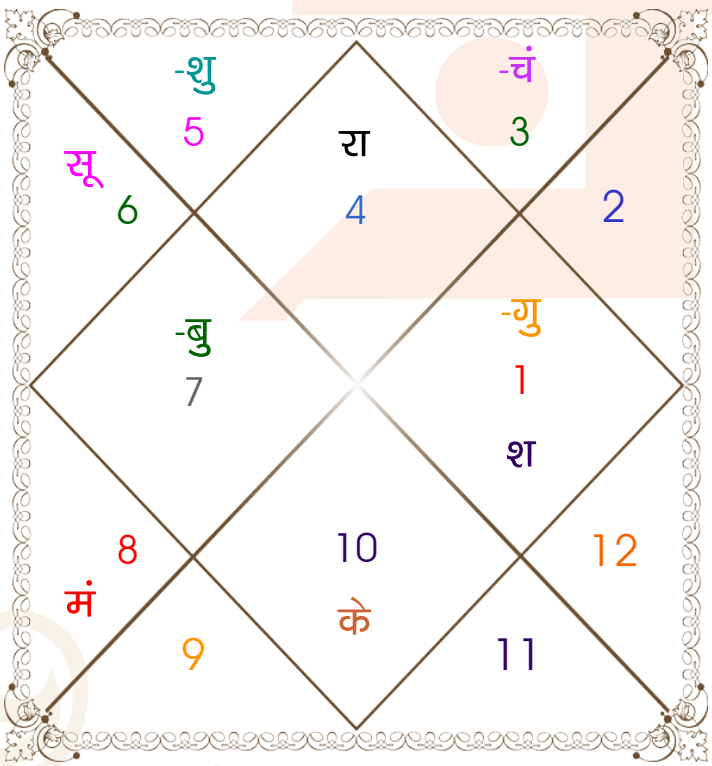

चन्द्र कुंडली

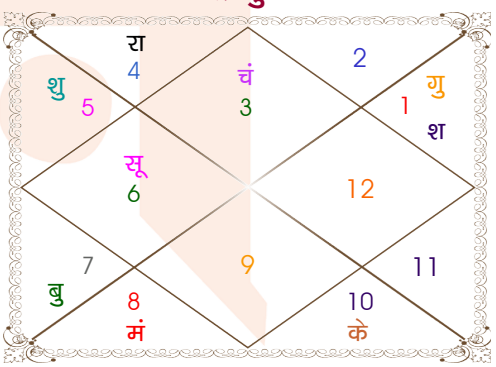

नवमांश कुंडली

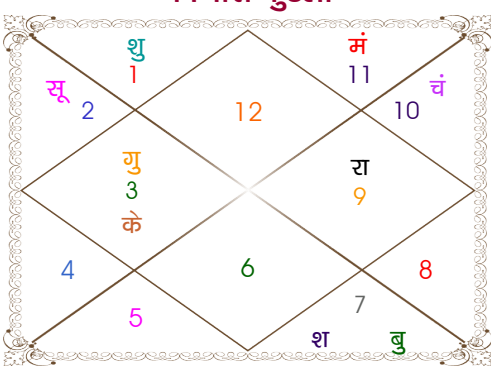

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 9 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/10/1999		04/07/2012		04/07/2028		05/07/2047		04/07/2064	
04/07/2012		04/07/2028		05/07/2047		04/07/2064		05/07/2071	
	00/00/0000	गुरु	22/08/2014	शनि	08/07/2031	बुध	30/11/2049	केतु	30/11/2064
	02/10/1999	शनि	04/03/2017	बुध	17/03/2034	केतु	27/11/2050	शुक्र	30/01/2066
शनि	16/06/2002	बुध	10/06/2019	केतु	26/04/2035	शुक्र	27/09/2053	सूर्य	07/06/2066
बुध	03/01/2005	केतु	16/05/2020	शुक्र	25/06/2038	सूर्य	04/08/2054	चंद्र	06/01/2067
केतु	21/01/2006	शुक्र	15/01/2023	सूर्य	07/06/2039	चंद्र	03/01/2056	मंगल	04/06/2067
शुक्र	21/01/2009	सूर्य	03/11/2023	चंद्र	06/01/2041	मंगल	30/12/2056	राहु	22/06/2068
सूर्य	16/12/2009	चंद्र	04/03/2025	मंगल	14/02/2042	राहु	20/07/2059	गुरु	29/05/2069
चंद्र	16/06/2011	मंगल	08/02/2026	राहु	21/12/2044	गुरु	25/10/2061	शनि	07/07/2070
मंगल	04/07/2012	राहु	04/07/2028	गुरु	05/07/2047	शनि	04/07/2064	बुध	05/07/2071

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/07/2071		05/07/2091		04/07/2097		06/07/2107		05/07/2114	
05/07/2091		04/07/2097		06/07/2107		05/07/2114		00/00/0000	
शुक्र	03/11/2074	सूर्य	22/10/2091	चंद्र	05/05/2098	मंगल	02/12/2107	राहु	18/03/2117
सूर्य	03/11/2075	चंद्र	22/04/2092	मंगल	04/12/2098	राहु	19/12/2108	गुरु	11/08/2119
चंद्र	04/07/2077	मंगल	28/08/2092	राहु	04/06/2100	गुरु	25/11/2109	शनि	03/10/2119
मंगल	03/09/2078	राहु	22/07/2093	गुरु	04/10/2101	शनि	04/01/2111		00/00/0000
राहु	03/09/2081	गुरु	11/05/2094	शनि	06/05/2103	बुध	01/01/2112		00/00/0000
गुरु	04/05/2084	शनि	23/04/2095	बुध	04/10/2104	केतु	29/05/2112		00/00/0000
शनि	05/07/2087	बुध	27/02/2096	केतु	05/05/2105	शुक्र	29/07/2113		00/00/0000
बुध	05/05/2090	केतु	04/07/2096	शुक्र	04/01/2107	सूर्य	04/12/2113		00/00/0000
केतु	05/07/2091	शुक्र	04/07/2097	सूर्य	06/07/2107	चंद्र	05/07/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।